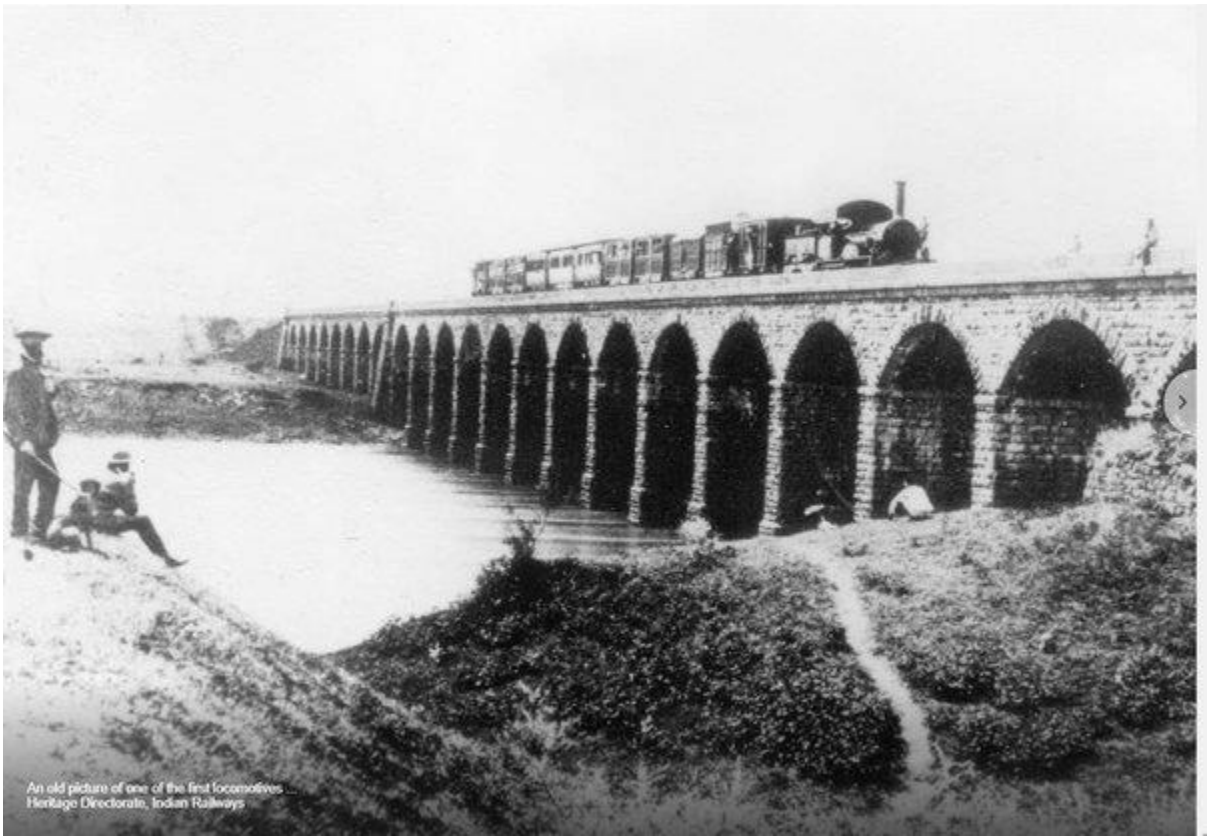
समय के साथ भारतीय रेलगाड़ी के रूप में बदलाव

समय के साथ भारतीय रेल गाड़ी का रूप काफी बदला है।

दो चित्र इस परिवर्तन को स्पष्ट कर देंगे



स्रोत

[1]

16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर (बाद में बॉम्बे वी टी अब सी एस टी एम) से ठाणे को 13 डब्बों की ट्रेन चली थी - जिसे 3 इंजन - साहिब , सुल्तान और सिंध ने मिल कर खींचा था। उनमें से एक इंजन ऊपर के चित्र में है।

34 किलोमीटर के सफ़र को तय करने में 57 मिनट लगे थे

[2]**औसत स्पीड 36 किलोमीटर / घंटा**

और अब



ट्रेन 18

[3]

769 किलोमीटर (नई दिल्ली - वाराणसी) 8 घंटे में : औसत स्पीड 96 किलोमीटर / घंटा

यानी गति में **ढाई गुणा बढ़ोत्तरी**

इंजन शक्ति

तब 1855 में फैरी क्वीन 130 एच पी

अब WDG6/WAG 6 : 6000 एच पी

यानी इंजन के पॉवर में 125 **गुणा बढ़ोत्तरी**

सवारी डब्बे

1. चार पहिये डब्बे - तब
2. आठ पहिये डब्बे (बोगी डिजाईन)
3. आठ पहिये डब्बे - एंटी टेलीस्कोपिक
4. आठ पहिये डब्बे - स्टेनलेस स्टील - **अब** [4]

माल गाड़ी के डब्बे

1. चार पहिये लकड़ी के डब्बे - तब
2. चार पहिये मृदु स्टील के डब्बे
3. आठ पहिये मृदु स्टील के डब्बे
4. आठ पहिये स्टेनलेस स्टील के डब्बे - **अब** [5]



[6]

रेल की कुल आय :

286 करोड़ रुपए (फरवरी १९५२)

[7]

1.9 लाख करोड़ रूपए (मार्च २०१९)

[8]

664 गुणा वृद्धि (बिना मुद्रा स्फीति के)

मुद्रास्फीति को 100 गुणा मानने पर यह वृद्धि लगभग 7 गुणा होती है

(१९५८ से 2020 के बीच वृद्धि 81 गुणा

[9] है)

रेलगाड़ी के क्लासों की संख्या और नाम कारण में आमोल चुल परिवर्तन

१९५५ -56 में निम्नलिखित क्लास थे

1. थर्ड
2. इंटर
3. सेकंड
4. फर्स्ट
5. एयर कंडिशन्ड

अब कुछ सालों में समस्त डब्बे एयर कंडिशन्ड हो जायेंगे

[10]

ए सी थ्री टियर - इकॉनमी बहुत जल्द ही आ जायेगा



[11]

इस दौरान कुछ महत्वपूर्ण मील के पत्थर रहे

- **ट्रेन में बिजली का प्रावधान :** 1897 (एक्सल जनित डाइनेमो [12])
- **ट्रेन में शौचालय का प्रावधान** : तब के बिहार (अब झाड़खंड) के साहेबगंज में ओखिल चन्द्र सेन की शिकायत -१९०९ में करने के बाद हुआ [13]
- **ट्रेन में वातानाकूलन का प्रावधान :**

भारत में ट्रेनों में वातानुकूलित डिब्बों की शुरुआत सबसे पहले सन 1934 में फ्रंटियर मेल में हुई ।यह ट्रेन बंबई से पेशावर जाती थी और पेशावर उन दिनों ब्रिटिश इंडिया का फ्रंटियर यानी सीमा रेखा के पास अवस्थित सबसे बड़ा शहर था, उसके बाद अफगानिस्तान शुरू हो जाता है। 1996 में इस ट्रेन का नाम बदलकर गोल्डन टेंपल मेल कर दिया गया । भारत की इस सबसे पहली वातानुकूलित डिब्बों वाली ट्रेन में वातानुकूलन हेतु , बर्फ का प्रयोग होता था। बैटरी से चलने वाले ब्लोअर मोटर द्वारा ठंडी हवा यात्रियों के केबिन में जाता था।उन दिनों AC का मतलब उस जमाने के फर्स्ट क्लास डब्बों को वातानुकूलित करना था, जो आज के फर्स्ट AC से हुए।

[14]

यह एक सरसरी सफ़र १६७ सालों में हुए बदलाव का

कॉपीराइट और सर्वाधिकार सुरक्षित : लेखक

फुटनोट

[1] A History of Indian Railways - National Rail Museum - Google Arts & Culture
[2] India’s 1st train: When Sahib, Sindh & Sultan blew steam - Times of India
[3] Google Image Result for https://i2.wp.com/www.opindia.com/wp-content/uploads/2019/07/Train-18-n_l_d.jpg?fit=670%2C440&ssl=1
[4] □□□ □□□□□□□□□□□□□- □□□□□□□□
[5] □□□ □□□□□□□□□□□□□- □□□□□□□□
[6] Google Image Result for https://media.springernature.com/full/springer-static/image/art%3A10.1007%2Fs42417-019-00105-4/MediaObjects/42417_2019_105_Fig4_HTML.jpg
[7] https://eparlib.nic.in/bitstream/123456789/211/1/SPEECH_RB_1952-53_Final.pdf
[8] https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/stat_econ/Year_Book/Year%20Book%202018-19-English.pdf
[9] INR Inflation Calculator - Indian Rupee (1958-2020)
[10] Indian Railways' Sleeper Class coaches and General Coaches to be made air-conditioned - Going the AC way
[11] Piyush Goyal on Twitter
[12] http://www.aitd.net.in/pdf/7/3.%20Air%20Conditioning%20Train%20Lighting%20Energy%20Efficiency%20-%20LC%20Sarser.pdf
[13] When using a train toilet, thank Okhil Babu for his hilarious letter
[14] □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□?